J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

THE TRIBUNE

EDUCATION NOTES

VARSITY GETS 'MENTOR INSTITUTE' STATUS

Faridabad: The All-India Council for Technical Education (AICTE) has granted the status of 'Mentor institute' to the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, to support nearby technical institutes in achieving quality parameters such as NBA accreditation. The university will serve as the mentor to guide and disseminate knowledge under the 'Margdarshan scheme' of the AICTE. The chief coordinator, Prof Vikram Singh, said the aim of the scheme was to conduct faculty development programmes, national-level workshops, guest lectures and other activities for the technical upliftment of member institutions in terms of teaching learning process. The council has also sanctioned a grant of Rs 45 lakh to mentor these institutes for a duration of three years.

The Tribune Thu, 18 March 2021 https://epaper.tribuneind

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

NBA ACCREDITATION TO FOUR PROGRAMS OF JC BOSE UNIVERSITY

FARIDABAD: J.C.Bose University of Science and Technology,YMCA, Faridabad has again provided itself on the quality parameters of Technical Education as four engineering programs of the University have received re-accreditation from National Board of Accreditation (NBA). The accreditation granted by the NBA to University programs reflects the quality of Technical Education being imparted by the University and strengthens the University's vision to become a globally acclaimed Institute in Technical Education. The Vice-Chancellor Prof. Dinesh Kumar has acknowledged the efforts made by respective NBA Coordinator Prof. Komal Bhatia, Co-coordinator Dr. Neelam Duhan and respective Chairpersons, and congratulated all the faculty and staff members for this great achievement. He said that with the accreditation of various engineering programs, the graduates of this University will get "substantial equivalency" in several countries including the USA and UK. The NBA has granted accreditation to four Undergraduate Programs posed by the University under Tier-1 format for the period of 3 years. The programs which have been granted NBA accreditation include B.Tech in Computer Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Electronics Instrumentation & Control Engineering.

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

THE PIONEER

जेसी बोस में चार पाठ्यक्रमों को मिली एनबीए मान्यता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पुनः मान्यता प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। एनबीए द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता का दर्शाता है।

इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एनबीए समन्वयक प्रो. कोमल कुमार भाटिया, डॉ. नीलम दूहन और सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को इस सफलता पर बधाई दी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी।

विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है।

एनबीए भी हस्ताक्षरकर्ता :

यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है, जिसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है। वाशिंगटन समझौते के अनुपालन के अनुरूप, वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनबीए श्रेणी-1 मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों को अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों में वैश्विक मान्यता हासिल होगी, जिनमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इन देशों में अकादमिक जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिगत इंजीनियरिंग कार्यों को करने में सक्षम होंगे।

किया था दौरा :

एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है। मान्यता प्रक्रिया के अंतर्गत एनबीए विशेषज्ञ टीम द्वारा 25 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय में दौरा कर चार विभागों का मूल्यांकन किया गया था। एनबीए विशेषज्ञ टीम ने विश्वविद्यालय का मूल्यांकन विभिन्न मानदंडों पर किया तथा लैब, वर्कशाप, लाइब्रेरी तथा अन्य विद्यार्थी से संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया।

120वीं रैंकिंग : उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय के रूप में दर्जा हासिल करने वाले जेसी बोस विश्वविद्यालय ने विगत पांच वर्षों के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है। विश्वविद्यालय को नवम्बर, 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता हासिल हुई थी तथा हाल ही में विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ-2020) द्वारा जारी रैंकिंग में 120वीं रैंकिंग प्राप्त हुई।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

PUNJAB KESARI

प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए सरकार कदम उठाएगी

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। औद्योगिक नगरी फरीदाबाद को बढ़ते प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए हरियाणा सरकार कारगर कदम उठाएगी। ठोस अपशिष्ट को हटवाया जाएगा। यह आश्वासन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तरफ से मंगलवार को सदन में संसदीय कार्य मंत्री कंवर पाल ने दिया।

एक विधायक के सवाल का जवाब देते हुए कंवर पाल ने कहा कि एनआईटी क्षेत्र में प्रदूषण खत्म करने के कार्य की निगरानी एक वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। यह अधिकारी तीन माह में एक बार मौका मुआयना कर रिपोर्ट भी सौंपेंगे। विधायक ने पूछा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एनआईटी क्षेत्र के 60 फुट एयरफोर्स रोड को प्रदूषण के मामले में हाटस्पाट के रूप में पहचानने के बाद सरकार ने क्या कदम उठाए हैं। मंत्री कंवर पाल ने बताया कि सरकार नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न जगहों से ठोस अपशिष्ट को हटवा चुकी है। नगर निगम के सफाई कर्मी नियमित रूप से सफाई कर रहे हैं। विधायक ने सरकार के जवाब पर अपनी असहमति जताते हुए कहा कि वे पूरे फरीदाबाद की नहीं, बल्कि प्रदूषण के लिए हाटस्पाट बने एयरफोर्स रोड की बात कर रहे हैं।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने भूमि का कब्जा लिया

तकनीकी शिक्षा मंत्री अनिल विज ने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने नगर निगम फरीदाबाद से भूमि का कब्जा ले लिया है। विश्वविद्यालय ने वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आवेदन किया है, जो प्रतीक्षित है। अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त होने के बाद निर्माण कार्य शुरू करने की कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय को वर्ष 2020-21 के लिए 40 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

विधायक के इन सुझावों पर सरकार ने जताई सहमति

-60 फुट रोड पर यह सुनिश्चित किया जाए कि डिस्पोजल खराब हो तो प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए।

-प्याली शमशान घाट में बिजली आधारित संस्कार करने की मशीनरी को शुरू करें।

-डबुआ सब्जी मंडी के साथ पुनर्वास विभाग की जमीन पड़ी है। इस पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। इस जगह को या तो पार्क के रूप में विकसित किया जाए या फिर यहां पौधे लगाए जाएं।

पंजाब केसरी Thu, 18 March 2021
mpaper.punjabkesari.com/c/59170973

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के चार पाठ्यक्रमों को एनबीए मान्यता

■ विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष मिलेगी समानता

फरीदाबाद, 17 मार्च (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पुनः मान्यता प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। एनबीए द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता का दर्शाता है।

इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एनबीए समन्वयक प्रो. कोमल कुमार भाटिया, डॉ. नीलम दूहन तथा सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना की है तथा सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को इस सफलता पर बधाई दी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी।

विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रमों कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है।

यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है, जिसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है। वाशिंगटन समझौते की अनुपालना के अनुरूप, वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनबीए श्रेणी-1 मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों को अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों में वैश्विक मान्यता हासिल होगी, जिनमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इन देशों में अकादमिक जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिगत इंजीनियरिंग कार्यों को करने में सक्षम होंगे।

एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है। मान्यता प्रक्रिया के अंतर्गत एनबीए विशेषज्ञ टीम द्वारा 25 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय में दौरा कर चार विभागों का मूल्यांकन किया गया था। एनबीए विशेषज्ञ टीम ने विश्वविद्यालय का मूल्यांकन विभिन्न मानदंडों पर किया तथा लैब, वर्कशाप, लाइब्रेरी तथा अन्य विद्यार्थी से संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया।

उगेखनीय है कि वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय के रूप में दर्जा हासिल करने वाले जे.सी बोस विश्वविद्यालय ने विगत पांच वर्षों के दौरान उगेखनीय उपलब्धियां हासिल की है। विश्वविद्यालय को नवम्बर, 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता हासिल हुई थी तथा हाल ही में विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ-2020) द्वारा जारी रैंकिंग में 120वीं रैंकिंग प्राप्त हुई।

तकनीकी संस्थानों को देगा 'मार्गदर्शन'

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने निकटवर्ती तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने में सहयोग देने के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को 'मार्गदर्शक संस्थान' का दर्जा दिया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत नौ तकनीकी संस्थानों को गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार द्वारा देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को आवंटित किए गए 'मेंटी बेनेफिशियरी इंस्टीट्यूट्स' अर्थात मार्गदर्शन के लाभार्थी संस्थानों में अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुरुग्राम, डीपीजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम, एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पलवल, एंड्रयूज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फारुक नगर (गुरुग्राम), पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पानीपत, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, सोनीपत, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, मानेसर और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, झ%जर शामिल हैं। मार्गदर्शन योजना और इसके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य समन्वयक प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सदस्य संस्थानों के शिक्षण संबंधी तकनीकी उत्थान के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ, अतिथि व्याख्यान और अन्य गतिविधियों का संचालन करना है। इस संबंध में परिषद द्वारा इस परियोजना के तहत 3 वर्ष की अवधि के लिए 9 तकनीकी संस्थानों को मार्गदर्शन देने के लिए 45 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है।

15 राज्यों के प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के पंडित दयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा 'अनुसंधान सहयोग सेवाओं में नया आयाम: समकालीन पुस्तकालय परिप्रेक्ष्य में' विषय पर एक सप्ताह का आनलाइन शार्ट टर्म ट्रेनिंग कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित इस कोर्स में 15 से अधिक रा%यों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट स्टडीज (सीएसआईआर-एनआईएएसएडीएस) की निदेशक प्रो रंजना अग्रवाल ने किया और सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत लाइब्रेरी के चेयरमैन प्रो. आशुतोष दीक्षित द्वारा स्वागतीय संबोधन से हुई। इसके उपरांत प्रो. रंजना अग्रवाल ने अतिथ्यि संबोधन प्रस्तुत किया। सत्र का समन्वय डॉ. पीएन बाजपेयी तथा डॉ. प्रीति सेठी द्वारा किया गया। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम को शोध सहायक सेवाओं के क्षेत्र में अनुभव रखने वाले लाइब्रेरियन तथा शिक्षाविद् संबोधित करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और ई-संसाधनों के बारे में भी बताया।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

HINDUSTAN

वाईएमसीए में चार कोर्स को एनबीए मान्यता मिली

फरीदाबाद | **कार्यालय संवाददाता**

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की ओर से चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पुनः मान्यता प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एनबीए समन्वयक प्रो. कोमल कुमार भाटिया, डॉ. नीलम दूहन तथा सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना की है।

कुलपति ने शिक्षकों और कर्मचारियों को सफलता पर बधाई दी : उन्होंने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को इस सफलता पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से पास स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी।

विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रमों कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए की ओर से श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है, जिसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है।

एनबीए विशेषज्ञ टीम ने सुविधाओं का जायजा लिया

वाशिंगटन समझौते की अनुपालना के अनुरूप, वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनबीए श्रेणी-1 मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों को अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों में वैश्विक मान्यता हासिल होगी, जिनमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं।

मान्यता प्रक्रिया के तहत एनबीए विशेषज्ञ टीम की ओर से 25 फरवरी को विश्वविद्यालय में दौरा कर चार विभागों का मूल्यांकन किया गया था। इसके साथ ही एनबीए विशेषज्ञ टीम ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय का मूल्यांकन विभिन्न मानदंडों पर किया। इसके अलावा उन्होंने लैब, वर्कशाप, लाइब्रेरी तथा अन्य विद्यार्थी से संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

THE PIONEER

रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौधोगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए में भारत विकास परिषद (बीवीपी) द्वारा रक्तदान शिविर का संचालन किया गया। रक्तदान शिविर प्रात: 9.30 बजे शुरू हुआ, जिसका शुभारम्भ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। उन्होंने शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को नियमित रक्तदान के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर अरूण गुप्ता (डायेरक्टर एवं फाउण्डर, मोर्मेजिक टेक्नोलॉजीस) व विनय कुमार गुप्ता ने रक्तदान किया व इंफ्रा रेड थर्मामीटर का वितरण भी किया। शिविर में विद्यार्थियों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया। शिविर में 164 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इसके लिए सभी मेंबर्स के सहयोग के लिए धन्यवाद। रक्त दान शिविर के संयोजक दिनेश गर्ग व विनय गुप्ता और पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। शिविर का कार्यक्रम बहुत सुन्दर रहा है।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस विश्वविद्यालय के 4 इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मिली एनबीए से मान्यता

■ वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए ने तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा 4 इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एनबीए समन्वयक प्रो. कोमल कुमार भाटिया, डॉ. नीलम दूहन तथा सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना की तथा सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को इस सफलता पर बधाई दी है। विश्वविद्यालय के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी। विश्वविद्यालय के 4 बीटेक पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग को 3 वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है, जिसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है।

वाईएमसीए तकनीकी संस्थानों को देगा मार्गदर्शन

■ **वस, फरीदाबाद:** अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने निकटवर्ती तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने में सहयोग देने के लिए वाईएमसीए को 'मार्गदर्शक संस्थान' का दर्जा दिया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत 9 तकनीकी संस्थानों को गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार द्वारा देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को आवंटित किए गए 'मेंटी बेनेफिशियरी इंस्टिट्यूट्स' अर्थात मार्गदर्शन के लाभार्थी संस्थानों में अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग गुरुग्राम, डीपीजी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट गुरुग्राम, एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पलवल, एंड्रयूज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट फारुक नगर (गुरुग्राम), पानीपत इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पानीपत, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक सोनीपत, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक मानेसर और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक झज्जर शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय गुणवत्ता मानक प्राप्त करने के लिए तकनीकी संस्थानों को देगा मार्गदर्शन

फरीदाबाद, 17 मार्च, सत्यजय टाईम्स/प्रियंका। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) ने निकटवर्ती तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने में सहयोग देने के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को मार्गदर्शक संस्थान का दर्जा दिया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत नौ तकनीकी संस्थानों को गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार द्वारा देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को आवंटित किए गए मेंटी बेनेफिशियरी इंस्टीट्यूट्स अर्थात मार्गदर्शन के लाभार्थी संस्थानों में अरावली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, फरीदाबाद, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुरुग्राम, डीपीजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम, एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पलवल, एंड्रयूज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फारुक नगर (गुरुग्राम), पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पानीपत, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, सोनीपत, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, मानेसर और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, झज्जर शामिल हैं।

मार्गदर्शन योजना और इसके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य समन्वयक प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सदस्य संस्थानों के शिक्षण संबंधी तकनीकी उत्थान के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ, अतिथि व्याख्यान और अन्य गतिविधियों का संचालन करना है।

इस संबंध में परिषद द्वारा इस परियोजना के तहत 3 वर्ष की अवधि के लिए 9 तकनीकी संस्थानों को मार्गदर्शन देने के लिए 45 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है। मार्गदर्शक संस्थान के रूप में चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को स्थापित किया है। विश्वविद्यालय के अधिकांश तकनीकी पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं। विश्वविद्यालय ने 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) के पहले ही चक्र में ए ग्रेड मान्यता भी प्राप्त की थी। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर एनआईआरएफ रैंकिंग में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह प्रशासनिक और शैक्षणिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही गुणवत्ता पहलों को दर्शाता है।

कुलपति ने कहा कि गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए अब विश्वविद्यालय ने एनबीए और नैक मान्यता हासिल करने के इच्छुक तकनीकी संस्थानों को मार्गदर्शन और सहायता सेवाएं प्रदान करने की जिम्मेदारी ली है ताकि ऐसे संस्थान एनबीए और नैक मान्यता के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सक्षम बन सके।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

DAINIK JAGRAN

चार पाठ्यक्रमों को एनबीए की मान्यता

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के चार पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) ने मान्यता दी है। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने एनबीए समन्वयक प्रो.कोमल कुमार भाटिया, डा.नीलम दूहन तथा सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना की है। विवि के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी। एनबीए ने बीटेक पाठ्यक्रमों कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए मान्यता दी है। बता दें कि एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है, जो तकनीकी संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है। मान्यता प्रक्रिया के अंतर्गत एनबीए विशेषज्ञ टीम ने 25 फरवरी, 2021 को विवि में दौरा कर चार विभागों का मूल्यांकन किया था। एनबीए विशेषज्ञ टीम ने विवि का मूल्यांकन विभिन्न मानदंडों पर किया तथा लैब, वर्कशाप, लाइब्रेरी तथा अन्य विद्यार्थी संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस के चार पाठ्यक्रमों को एनबीए मान्यता

फरीदाबाद, 17 मार्च, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पुनः मान्यता प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। एनबीए द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता का दर्शाता है।

इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एनबीए समन्वयक प्रो. कोमल कुमार भाटिया, डॉ. नीलम दूहन तथा सभी संबंधित विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना की है तथा सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को इस सफलता पर बधाई दी है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी। विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रमों कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है।

यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है, जिसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है। वाशिंगटन समझौते की अनुपालना के अनुरूप, वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनबीए श्रेणी-1 मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों को अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों में वैश्विक मान्यता हासिल होगी, जिनमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इन देशों में अकादमिक जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिगत इंजीनियरिंग कार्यों को करने में सक्षम होंगे। एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है। मान्यता प्रक्रिया के अंतर्गत एनबीए विशेषज्ञ टीम द्वारा 25 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय में दौरा कर चार विभागों का मूल्यांकन किया गया था।

एनबीए विशेषज्ञ टीम ने विश्वविद्यालय का मूल्यांकन विभिन्न मानदंडों पर किया तथा लैब, वर्कशाप, लाइब्रेरी तथा अन्य विद्यार्थी से संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय के रूप में दर्जा हासिल करने वाले जे.सी बोस विश्वविद्यालय ने विगत पांच वर्षों के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है।

विश्वविद्यालय को नवम्बर, 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा ए ग्रेड मान्यता हासिल हुई थी तथा हाल ही में विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ-2020) द्वारा जारी रैंकिंग में 120वीं रैंकिंग प्राप्त हुई।

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि के चार पाठ्यक्रमों को मान्यता

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि) के चार पाठ्यक्रमों को मान्यता मिली है। तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) ने चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता दी है। विवि प्रबंधन ने बताया कि विवि से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका और इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी।बीटेक पाठ्यक्रम में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता वॉशिंगटन समझौते के अनुरूप है, जिसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल है।

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 18.03.2021

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विवि के चार पाठ्यक्रमों को मिली एनबीए की मान्यता

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के चार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता मिली है। इन पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को दर्शाता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी।

विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रम कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है। इसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है। वाशिंगटन समझौते की अनुपालना के अनुरूप वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनबीए श्रेणी-1 मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों को अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों में वैश्विक मान्यता हासिल होगी। इनमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इन देशों में अकादमिक जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिगत इंजीनियरिंग कार्यों को करने में सक्षम होंगे।